कीन्या जीएम फसलों को स्वीकृति देगा

संभवतः कीन्या जिनेटिक रूप से परिवर्तित (जीएम) फसलों को व्यापारिक उत्पादन की अनुमति देने वाला चौथा अफ्रीकी राष्ट्र होगा। ऐसा माना जा रहा है कि देश का राष्ट्रीय जैव सुरक्षा प्राधिकरण जल्दी ही उन नियमों का प्रकाशन करेगा जिनके तहत जीएम फसलों की खेती का नियमन किया जाएगा। बुर्किना फासो, मिस्र व दक्षिण अफ्रीका पहले ही जीएम फसलों को मंज़ूरी दे चुके हैं।

खबरों के मुताबिक सबसे पहले बीटी कपास को अनुमति मिलेगी और उसके बाद जीएम मक्का को। बीटी कपास में एक बैक्टीरिया का जीन फिट करके उसे कीट प्रतिरोधी बनाने का दावा किया जा रहा है वहीं जीएम मक्का के बारे में बताया जा रहा है कि वह सूखा-सह है।

जो नियम बनाए गए हैं, उनके तहत पहले मंज़ूरी खुले खेतों में प्रायोगिक कृषि के लिए दी जाएगी। इसके बाद 10 वर्षों के लिए अनुमति मिलेगी जिसका 10 वर्षों बाद नवीनीकरण कराना होगा। 20 वर्ष की अवधि के बाद इन फसलों को सामान्य फसलों की तरह उगाया जा सकेगा।

कीन्या में उपयोग के लिए बीटी कपास की एक किस्म का विकास कीन्या कृषि अनुसंधान संस्थान में किया जा रहा है। इसी प्रकार से बीटी मक्का का विकास भी चल रहा है।

कीन्या ने 2009 में जैव सुरक्षा कानून बनाया था। इसमें जीएम फसलों के व्यापारिक उत्पादन को सिद्धांत रूप में स्वीकार किया गया था। इस कानून के आधार पर अब नियम बनाकर लागू करने की बारी है।

जैसे, नियमों के मुताबिक किसी भी जीएम फसल को मंज़ूरी देने से पहले एक जैव सुरक्षा रिपोर्ट पेश करना होगी। जैव सुरक्षा प्राधिकरण इसकी सत्यता की जांच करके 3-5 माह में निर्णय करेगा। यह प्रावधान रखा गया है कि जीएम फसलों को मंज़ूरी के समस्त आवेदन सार्वजनिक किए जाएंगे और प्राधिकरण के फैसले भी। मंज़ूरी मिलने के बाद 10 वर्ष की अवधि में किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर 2 करोड़ कीन्याई शिलिंग का जुर्माना और 10 वर्ष तक की कैद का प्रावधान है।

कीन्या में कई कृषि वैज्ञानिक मानते हैं कि उनके देश के लिए जीएम फसलों को अपनाना ज़रूरी है। उनका मत है कि इन्हें अपनाते हुए सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

मगर सब लोग इससे सहमत नहीं हैं। जैसे जीएम विरोधी अफ्रीकन बायोडायवर्सिटी नेटवर्क का मत है कि बीजों का पेटेंट अनैतिक है और यह किसानों के बीज बचाने के अधिकार को कमज़ोर करता है। उनका कहना है कि जीएम के पीछे भागकर कंपनियों की मदद करने की बजाय सरकार को किसानों की ज़रूरतों पर ध्यान देना चाहिए।

देखा जाए, तो कीन्या पूर्वी अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। कीन्या का जीएम फसलों के बारे में अनुभव इलाके के अन्य देशों को प्रभावित करेगा। ***(स्रोत फीचर्स)***